हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 252 देहरादून, शनिवार, 01 अप्रैल, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

राहुल गांधी के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया अपना रही भाजपा : यशपाल आर्य

3

'वाओ ग्रेट ' : G 20 के विदेशी मेहमानों ने फील किया कार्बेट का रोमांच

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 अप्रैल , देवभूमि आये जी-20 सम्मेलन के विदेशी और भारतीय मेहमानों ने कार्बेट पार्क के बिजरानी जोन की सफारी की। तीन जिप्सियों के मेहमानों ने मचानचौड़ व चीतल रोड पर बाघ, हाथी और चीतल देखे। मेहमानों ने जंगल के सुंदर नजारों को मोबाइल में कैद कर यादों के रूप में अपने साथ सहेजकर ले गए। कार्बेट पार्क के बिजरानी जोन में मेहमान सुबह साढ़े छह बजे सफारी के लिए गए। उन्होंने अधिकारियों से नम्रतापूर्वक नमस्ते किया। सभी मेहमानों को महिलाओं ने टीका लगाया। बिजरानी में सफारी के लिए पांच रुट बनाए गए थे। मेहमान बिजरानी जोन में सफारी के बाद बाहर वापस लौट आए। इस दौरान प्रमुख वन संरक्षक विनोद कुमार सिंघल, मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक समीर सिन्हा, कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत, निदेशक डा. धीरज पांडे, पार्क वार्डन अमित ग्वासाकोटी, आइजी नीलेश आनंद भरणे, रेंजर संजय पांडे, रेंजर बिंदर पाल, रेंजर ललित मोहन आर्या मौजूद रहे।

कार्बेट पार्क के प्रबंधन की दी जानकारी

बिजरानी जोन के वन विश्राम गृह परिसर में मेहमानों को कार्बेट पार्क द्वारा प्रदर्शनी के जरिए विभिन्न जानकारी दी गई। विभाग की पालतू हथिनी लक्ष्मी, अलबेली का भी वन्य जीव संरक्षण में महत्व बताया। सीटीआर निदेशक धीरज पांडे ने मेहमानों को कार्बेट की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों, मानव वन्य जीव संघर्ष रोकने के लिए उठाए जाने वाले कदम, ईको विकास समिति के कार्यों, वन्य जीव संरक्षण से ग्रामीणों को रोजगार से जोड़ने, पार्क से नेचर गाइड, जिप्सी मालिक, चालक आदि को रोजगार देने के बारे में बताया।

गाइड्स के साथ सफारी पर गए मेहमानों ने हर चीजों के बारे में उत्सुकता जानकारी ली। गाइड भी उनकी हर जिज्ञासाओं का समाधान करते रहे। नदी, नाले पहाड़ व जंगल की सुंदरता देखकर मेहमान इतने अभिभूत हुए कि वह बार बार 'वाओ' बोलते नजर आए। मेहमान कार्बेट के मनोहारी दृश्यों की सुंदरता की तारीफ करते रहे। मेहमानों ने चालकों व गाइड्स के अनुभव व जानकारी की सराहना भी की।

कार्बेट पार्क में सकुशल सफारी के लिए काम आया टीम वर्क

कार्बेट पार्क के बिजरानी पर्यटन जोन में विदेशी मेहमानों को सकुशल सफारी कराने के पीछे निदेशक धीरज पांडे, उनके अधीनस्थ अधिकारी पार्क वार्डन अमित ग्वासाकोटी, रेंजर संजय पांडे, रेंजर बिंदर पाल, रेंजर ललित आर्या व अन्य स्टाफ की रात- दिन की मेहनत काम आई। फरवरी के अंतिम सप्ताह में जी- 20 सम्मेलन के मेहमानों को कार्बेट पार्क में सफारी की जिम्मेदारी मिली तो इसे सकुशल संपन्न कराना चुनौती से कम नहीं था।मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक समीर सिन्हा के निर्देशन में सीटीआर के निदेशक धीरज पांडे ने मेहमानों

की सफारी के लिए रूपरेखा बनानी शुरू कर दी। बड़ी चुनौती मेहमानों के लिए पर्यटन जोन तय करने की थी। क्योंकि सभी पर्यटन जोन में पर्यटकों की सफारी की बुकिंग थी तथा मेहमानों को सफारी के बाद वापस दिल्ली भी लौटना था।

ऐसे में उनके लिए नजदीकी बिजरानी को सफारी के लिए चुना गया। बिजरानी के पर्यटकों को अन्य जोन में शिफ्ट किया गया। मेहमानों के लिए 50 जिप्सी चालकों एवं 200 अनुभवी, भाषा व वाइल्डलाइफ के जानकार गाइड एवं जिप्सी चालक चिन्हित किए गए। इसके बाद पुलिस सत्यापन, जिप्सी की तकनीकी जांच समेत कई जांच हुई। चालक व गाइड का प्रशिक्षण के बाद कई बार रिहर्सल भी हुए। सीटीआर निदेशक धीरज पांडे बताते हैं कि टीम वर्क से यह सब हो पाया। जो लोग अपने देशों के पालिसी मेकर है, उन्हें हमारे अनुभवी गाइड्स व चालकों ने बेहतर जानकारी उपलब्ध कराई। यह हमारे के लिए खुशी की बात है। मेहमानों को सफारी कराने वाले चालकों व गाइड्स को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

नाश्ते में मेहमानों को भाया मडुवे का बिस्कुट

विदेशी मेहमानों को मडुवे के बिस्कुट बहुत भाए। उन्होंने बिस्कुट की पूरी जानकारी भी केएमवीएन कर्मियों से ली।गुरुवार की सुबह विदेशी मेहमान बिजरानी जोन में सफारी के लिए पहुंचे थे। यहां पर उनके नाश्ते की व्यवस्था केएमवीएन ने की थी। मेहमानों के नाश्ते में प्रसिद्ध बाल मिठाई व मडुवे के बिस्कुट भी थे।मेहमानों को मडुवे के बिस्कुट बहुत पंसद आए। जिसके बाद उन्होंने उसके बारे में केएमवीएन के कर्मियों से पूछा। कर्मियों ने बताया कि पहाड़ी मंडुवा कैल्शियम से भरपूर होता है। प्रदेश सरकार ने मंडुवे का न्यूनतम समर्थन मूल्य भी घोषित किया है।

चीन और नेपाल सीमा से सटे उत्तराखंड के गांवों का होगा कायाकल्प

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 1 अप्रैल : केंद्र सरकार द्वारा उत्तराखंड के सीमांत गांवों को निखारने के लिए प्रयास जारी है. इसके लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं. आने वाले दिनों में चीन और नेपाल की सीमा से सटे उत्तराखंड के गांवों की न केवल तस्वीर बदलेगी, बल्कि वहां से पलायन पर भी अंकुश लग सकेगा. केंद्र सरकार का 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' इसकी राह सुगम बनाएगा, जिसके क्रियान्वयन के लिए सरकार कार्ययोजना तैयार कर रही है. इसके तहत कई विकास कार्य कराए जाएंगे, जिससे वहां के लोगों को काफी फायदा होगा.

इन मूलभूत सुविधाओं का होगा विस्तार

इसमें सीमांत गांवों में पानी, बिजली, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार जैसी मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और आजीविका विकास पर मुख्य रूप से जोर दिया गया है. राज्य की 675 किलोमीटर सीमा चीन और

नेपाल से सटी है. इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे जिलों के गांव पलायन का दंश भी झेल रहे हैं. बड़ी संख्या में लोग यहां से रोजगार की तलाश में दूसरे शहरों की तरफ जाते हैं. सरकार के इन कदमों से रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे. हालांकि, सीमांत गांवों के लिए केंद्र और राज्य सरकार की ओर से सीमांत क्षेत्र विकास कार्यक्रम चल रहे हैं, लेकिन नई योजना से अब इसमें तेजी आएगी.

अपर सचिव ग्राम्य विकास निकिता खंडेलवाल ने इसपर जानकारी देते हुए बताया कि, उत्तराखंड के सीमांत गांव में अब तक 51 गांवों का चिन्हीकरण किया गया है. यह 51 गांव उत्तराखंड के 3 जनपदों उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ से चिन्हित किए गए हैं. उत्तरकाशी के भटवाड़ी, चमोली के जोशीमठ और पिथौरागढ़ के मुनस्यारी, धारचूला कनालीछीना ब्लॉक में से गांवों को चिन्हित किया गया है. उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में उत्तराखंड के सीमांत गांवों की तस्वीर बदल सकती है.

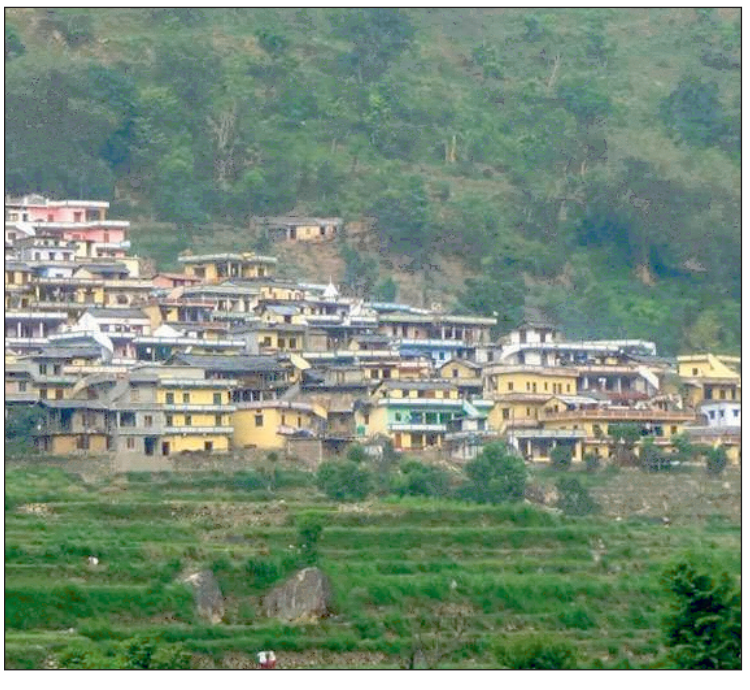

बैंक अकाउंट-टु-अकाउंट ट्रांजैक्शन फ्री रहेगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 अप्रैल , आज से वॉलेट या कार्ड जैसे प्रीपेड इंस्ट्रूमेंट्स के जरिए किए गए 2000 रुपए से ज्यादा के UPI पेमेंट पर 1.1% तक की इंटरचेंज फीस लगेगी। UPI को ऑपरेट करने वाली संस्था नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) ने एक सर्कुलर जारी किया है, जिसमें प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट (PPI) से किए ट्रांजैक्शन पर चार्ज से जुड़ी जानकारी दी है। हालांकि आम लोग इससे प्रभावित नहीं होंगे। उन्हें कोई चार्ज नहीं देना होगा।

बैंक अकाउंट-टु-अकाउंट ट्रांजैक्शन फ्री रहेगा

NPCI ने कहा, 'हाल के दिनों में, UPI फ्री, फास्ट, सिक्योर और सीमलेस एक्सपीरियंस देकर डिजिटल पेमेंट के पसंदीदा तरीके के रूप में उभरा है। ट्रेडिशनली UPI ट्रांजैक्शन का सबसे पसंदीदा तरीका पेमेंट करने के लिए किसी भी UPI इनेबल्ड ऐप में बैंक अकाउंट को ऐड करना है। ये टोटल UPI ट्रांजैक्शन में 99.9% से ज्यादा का योगदान देता है। ये बैंक अकाउंट-टु-अकाउंट ट्रांजैक्शन ग्राहकों और मर्चेंट के लिए फ्री में जारी रहेगा।NPCI ने अब PPI वॉलेट को इंटरऑपरेबल UPI इकोसिस्टम का हिस्सा बनने की परमिशन दी है। इंट्रोड्यूज किए गए इंटरचेंज चार्ज केवल PPI मर्चेंट ट्रांजैक्शन के लिए लागू हैं और ग्राहकों के लिए कोई चार्ज नहीं है। और यह भी स्पष्ट किया जाता है कि बैंक अकाउंट टु बैंक अकाउंट बेस्ड UPI पेमेंट (यानी नॉर्मल UPI पेमेंट) के लिए कोई चार्ज नहीं है।'

किन ट्रांजैक्शन पर NPCI का इंटरचेंज चार्ज लगेगा?

इसे एक उदाहरण से समझते हैं। मान लीजिए यदि कोई यूजर 2,000 रुपए से ज्यादा की राशि के लिए अपने पेटीएम वॉलेट को लोड करने के लिए UPI का इस्तेमाल करता है। इस केस में PPI इश्यूअर यानी पेटीएम को यूजर के बैंक को वैलेट-लोडिंग सर्विस चार्ज के रूप में 15 बेसिस पॉइंट की फीस पे करनी होगी। पेटीएम, फोनपे, अमेजन के पास अपने ऐप्स के भीतर वॉलेट सर्विसेज हैं, जैसे पेटीएम वॉलेट, फोनपे वॉलेट, अमेजन पे वॉलेट।

अलग-अलग मर्चेंट कैटेगरी पर अलग-अलग फीस

सभी ट्रांजैक्शन पर एक जैसा सरचार्ज नहीं लगेगा। NPCI ने मर्चेंट कैटेगरी और इंटरचेंज फीस की रेंज दी है। इंटरचेंज फीस का मतलब उस फीस से है जो रिसीवर बैंक/पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर मर्चेंट से लेता है। यह ट्रांजैक्शन को एक्सेप्ट करने, प्रोसेस करने और ऑथोराइज करने की कॉस्ट को कवर करने के लिए लगाया गया है। पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर और बैंक के रेवेन्यू को बढ़ाने के लिए ऐसा किया गया है।

बायोमैट्रिक मशीन खराब होने का उठा रहे लाभ

कोटद्वार। पूर्व प्रधानाचार्य भारत सिंह नेगी ने जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापकों व कर्मचारियों की बायोमैट्रिक उपस्थिति अनिवार्य करने की मांग की है।

इस संबध में जनपद के मुख्य शिक्षा अधिकारी को प्रेषित पत्र में उन्होंने कहा है कि जनपद के अधिकांश माध्यमिक विद्यालयों में बायोमैट्रिक मशीनें खराब पड़ी हुई हैं। कई शिक्षक इसका नाजायज लाभ भी उठा रहे हैं। कहा कि इस संबध में उनके द्वारा सूचना के अधिकार अधिनियम के अंतर्गत सूचना मांगी गई तो एक विकास खंड में मात्र दो से तीन विद्यालयों में बायोमैट्रिक उपस्थिति लेने की जानकारी मिली। बाकी विद्यालयों ने लाकडाउन से उनकी बायोमैट्रिक मशीन बंद होने की जानकारी दी। कहा कि बायोमैट्रिक मशीन बंद होने के कारण संबधित विद्यालयों के अध्यापक मनमानी करते हैं, जिसका विपरीत प्रभाव बच्चों की शिक्षा पर पड़ रहा है।

उन्होंने बताया कि सूचना के अधिकार में मिली सूचना के मुताबिक विकास खंड रिखणीखाल के 19 राइंका व राजकीय हाई स्कूलों में से मात्र एक, विकास खंड दुगड्डा के 29 विद्यालयों में से मात्र तीन, विकास खंड जयहरीखाल के 19 विद्यालयों में से मात्र छह विद्यालयों में ही बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज की जा रही है, जबकि इस संबध में उत्तराखंड सरकार के मुख्य सचिव द्वारा 2 मई 2022 को शासनादेश जारी कर दिया गया था। पत्र में उन्होंने मुख्य शिक्षा अधिकारी से माध्यमिक विद्यालयों में बायोमैट्रिक मशीन से हाजिरी व्यवस्था बनाने की मांग की है।

हवा-बारिश से गेहूं, सरसों का घटेगा उत्पादन

रुडकी। किसानों को गुरुवार को चली तेज हवा और बारिश ने तगड़ा झटका दे दिया। इससे गेहूं और सरसों का उत्पादन घटने का अनुमान है। इसके अलावा गन्ने की फसल को भी नुकसान पहुंचा।

पिछले सप्ताह से मौसम ने जिस तरह से करवट ली है उससे सभी फसलों को फायदे की बजाय नुकसान ही हुआ है। इस समय गन्ना और सरसों की फसलें कटाई के करीब है। ऐसे में बेमौसम बारिश और हवा किसानों के लिए मुसीबत बन गई है। गुरुवार को भी तेज हवा चलने के बाद आई बारिश ने गेहूं की फसल को झुका दिया। खेत में कटी पड़ी सरसों की फसल को भी नुकसान दिया। सरसों की फसल की कटाई का काम शुरू हो गया था। किसान वीर सिंह का कहना है कि तेज हवा के कारण गेहूं का उत्पादन घटना तय माना जा रहा है। इससे जहां गेहूं का दाना बारीक रह जाएगा वही दाना भी काला पड़ जाने से किसानों को इसकी बिक्री करने में भी काफी परेशानी उठानी पड़ेंगी।

नकल विरोधी कानून मील का पत्थर

रुडकी। वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने सरकार की ओर से चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। कहा कि सरकारी योजनाओं से गरीबों को लाभ पहुंच रहा है। सरकार पांच लाख रुपये मुफ्त इलाज के लिए दे रही है और भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार किया है। वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष प्रदेश सरकार का एक वर्ष पूरा होने पर एक साल नई मिसाल कार्यक्रम के तहत मेहवड़ कलां गांव में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सीएम धामी बेहतर सरकार चला रहे हैं। भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है। अन्य वक्ताओं ने भी प्रदेश सरकार की उपलब्धियां गिनाई।

अकीदत से अदा हुई जुमे की नमाज

रुडकी। रमजान का दूसरा जुमा खराब मौसम के वाबजूद अकीदत के साथ संपन्न हुआ। रोजेदारों ने नगर की प्रमुख जामा मस्जिद के अलावा नगर व आसपास की मस्जिदों में नमाज जुमा अदा की। नगर की प्रमुख जामा मस्जिद में मुफ्ती मोहम्मद सलीम ने नमाज अदा कराई। इससे पहले मुफ्ती मोहम्मद सलीम ने अपने खुतबे में कहा कि रमजान का पहला अशरा अब खत्म होने वाला है और दूसरा अशरा शुरू होगा, जो मगफिरत का अशरा है।

हर व्यक्ति के जीवन में अनुशासन जरूरी

रुडकी। जीवनदीप आश्रम में त्रिपुरा के पूर्व कैबिनेट मंत्री राम प्रसाद पाल ने श्री सिद्धबली हनुमान की पूजा-अर्चना की। जीवनदीप पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी यतींद्र आनंद गिरि महाराज का आशीर्वाद लिया। जीवनदीप गुरुकुलम के वार्षिक परीक्षा परिणाम कार्यक्रम में भी शामिल हुए।

महामंडलेश्वर स्वामी यतींद्र आनंद गिरि महाराज ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर कहा कि जीवन में अनुशासन बेहद जरूरी है। पूर्व कैबिनेट मंत्री राम प्रसाद पाल ने विद्यालय में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार दिया। डॉ. भीष्म कुमार ने कहा कि जीवन में शिष्टाचार, अनुशासन बहुत महत्वपूर्ण है। विद्यालय केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि विद्यार्थी का पूरा विकास कर एक अच्छे नागरिक का निर्माण करता है। डॉ. विष्णु कुमार ने भी विचार रखे। इस अवसर पर जीवनदीप गुरुकुलम प्रबंध समिति के प्रबंधक एडवोकेट विरेंद्र गर्ग, कोषाध्यक्ष प्रवीण सब्बरवाल, सदस्य बालू सिंह, मनोज गोयल, प्रधानाचार्य दीपक गोस्वामी, शिक्षिका मनीषा त्यागी, नीलम सैनी, पुष्पा रावत, नीलम कश्यप, नीलम आजाद, उमा सैनी, आकांक्षा, सविता, शालिनी, वैशाली, दीपाली आदि मौजूद रहे।

एक घंटे की हवा में बारह घंटे बिजली गुल

रुडकी। करीब एक घंटे चली हवा के बाद बारह घंटे बिजली गुल रही। दिनभर ट्रिपिंग होती रही। उपभोक्ताओं का कहना है कि ऊर्जा निगम बिल तो बढ़ा रहा है, लेकिन फॉल्ट आने पर उसे समय पर ठीक नहीं कराया जाता। मैंटेनेंस के नाम पर शट डाउन लिया जाता है।

रुडक़ी में बीते गुरुवार शाम करीब सात बजे से मौसम बिगडऩा शुरू हो गया था। इस दौरान हवा चलते ही बिजली गुल हो गई थी। कुछ जगह बिजली लाइनों पर पेड़ों की टहनियां गिर गईं। शहर में नहर पटरी के निचले इलाकों में तो आपूर्ति दो घंटे बाद शुरू हो गई, लेकिन पटरी के ऊपरी क्षेत्र स्थित इलाकों में बिजली नहीं आई। रात दस बजे करीब दो मिनट के लिए बिजली आई। उसके बाद गुल हो गई।

संक्षप्ति खबरें

कार दुर्घटन में पति-पत्नी की मौत

नई टिहरी। उत्तराखंड में मौसम के तल्ख तेवर लोगों की जान पर भारी पडऩे लगे है। टिहरी जिले में एक कार खाई में गिर गई। जिसमें कार में सवार पति-पत्नी की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि घने कोहरे के चलते कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। घटना टिहरी जिले के जाखणीधार तहसील की है। जाखणीधार-देवप्रयाग मोटर मार्ग में पेटब के पास एक स्विफ्ट कार मुख्य सडक़ से करीब 150 मीटर नीचे कच्ची सडक़ पर जा गिरी। जिसमें दंपति की मौके पर मौत हो गई। तहसीलदार गंगादत्त पेटवाल ने बताया कि कार सवार पति-पत्नी देहरादून से अपने गांव पुनाणु जा रहे थे। मृतकों की शिनाख्त पुनाणु गांव निवासी मदन सिंह गुसाई 70 वर्ष तथा उनकी पत्नी सुंदरा देवी 68 वर्ष सवार के रूप में हुई है।

ग्रेजुएशन सेरेमनी का आयोजन

कोटद्वार । भाबर क्षेत्र के हल्दूखाता स्थित एमकेवीएन सीनियर सेकेण्डरी स्कूल एवं देवी रोड स्थित एमकेवीएन इंटरनेशनल स्कूल में प्री-प्राइमरी कक्षाओं की ग्रेजुएशन सेरेमनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए विद्यालय प्रबंध निदेशक प्रकाश चन्द्र कोठारी ने कहा कि नर्सरी के विद्यार्थियों के प्री-प्राइमरी कक्षाओं के सफर को समाप्त कर पहली कक्षा में प्रवेश करने के पल को यादगार बनाने के उद्देश्य से स्कूल प्रबंधन द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में शानदार प्रस्तुतियों से उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। तत्पश्चात छात्र-छात्राओं को ग्रेजुएशन सेरेमनी की पारम्परिक पोशाक (गाऊन व हैट) में प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के कार्यकारी निदेशक मयंक प्रकाश कोठारी ने बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा प्रदान करने हेतु किए जा रहे प्रयासों पर जानकारी दी। इस कार्यक्रम में सोनम कोठारी, पुष्पा केष्टवाल, मंजू असवाल, किरन देवी, नीता घिल्डियाल और नरेश कुमार सहित सभी शिक्षक और छात्र मौजूद रहे।.

केंद्र सरकार पर आरोप लगाए

कोटद्वार। कांग्रेस पार्टी के पूर्व सचिव प्रवेश रावत ने केंद्र सरकार पर तानाशाही का रवैया अपनाने का आरोप लगया है। यहां आयोजित प्रेस वार्ता में पूर्व सचिव प्रवेश रावत ने कहा कि संसद में राहुल गांधी प्रधानमंत्री एवं अडानी के रिश्तों की हकीकत सामने लाने वाले थे। वहीं प्रधानमंत्री जानते थे कि उनके पास इस मुद्दे का कोई ठोस जवाब नहीं है। इसलिए उन्होंने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला शुरू कर उनकी सदस्यता ही रद्द करा दी। कहा कि देश के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब सत्ता पक्ष के सांसदों ने संसद की कार्रवाई को नहीं चलने दिया। जो व्यक्ति अपने अभियान के अंतर्गत सभी धर्मों और वर्गों के लोगों को जोडऩे के लिए यात्रा कर रहा है वह किसी वर्ग का अपमान कैसे कर सकता है। सदन में प्रधानमंत्री के अडानी और अंबानी से व्यापारिक रिश्तों को पूछने पर राहुल गांधी की सदस्यता रद्द की गई, कांग्रेस कार्यकर्ता इस अनैतिक कार्रवाई का विरोध जारी रखेंगे।

विकास कार्यों की अनदेखी का आरोप लगाया

कोटद्वार। उत्तराखंड विकास समिति ने प्रदेश सरकार पर कोटद्वार विधान सभा के विकास कार्यों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। इस संबध में समिति अध्यक्ष जानकी बल्लभ मैंदोला और सदस्यों की ओर से उपजिलाधिकारी के माध्यम से सीएम को प्रेषित ज्ञापन में कहा गया है कि लगभग पिछले 7-8 सालों से प्रदेश सरकार ने कोटद्वार विधान सभा के लिए स्वीकृत विकास कार्यों को जमीनी स्तर पर उतारने में दिलचस्पी नहीं दिखाई है। परिणामस्वरूप कोटद्वार विकास की दौड़ में पिछड़ता जा रहा है।

प्रदेश में भारी वर्षा और ओलावृष्टि की चेतावनी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 अप्रैल , जिन लोगों ने गर्म कपडे , कम्बल और जैकेट अगले साल के लिए अलमारी में बंद कर दिए थे वो फिर से निकल गए हैं।

ठंडी हवाओं और बारिश ने मौसम का न्य रूप दिखाया है और मार्च के अंतिम दिनों में उत्तराखंड में मौसम का मिजाज फरि बदल गया है। गुरुवार रात से शुरू हुआ बारिश का दौर शुक्रवार को भी जारी रहा। इससे एक बार दोबारा ठंड लौट आई है। देहरादून और मसूरी में गुरुवार रात जोरदार बारिश हुई।

इस दौरान मसूरी में ओलावृष्टि भी हुई।पदेश के कई इलाकों ऋषिकेश, कोटद्वार, रुड़की, पौड़ी व टिहरी में रात से हल्की बारिश जारी रही। जिससे मौसम में एक बार फिर से हल्की ठंडक घुल गई है। रुद्रप्रयाग में घने बादल छाए रहे और बारिश हुई।

उत्तरकाशी में जिला मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों में गुरुवार रात के समय हल्की वर्षा हुई। शुक्रवार की सुबह यहां बादल छाए रहे, वर्षा के आसार बने हुए हैं।देहरादून में मौसम विभाग के अधिकारी बता रहे हैं कि उत्तराखंड के कई इलाकों में भारी वर्षा-ओलावृष्टि को सकती है। जिसे लेकर आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इससे पहले ज्यादातर क्षेत्रों में चटख धूप खिली रही और तापमान में भारी वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, रात को मौसम ने करवट बदला और दून समेत आसपास के क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ झमाझम वर्षा हुई। जिससे पारे चढ़ाव नज़र आने लगा है। देखना होगा कि अगले कितने दिन तक मौसम की ये उथल पुथल ज़ारी रहेगी ।

राज्यपाल बेहद आत्मीयता से मिले बच्चों से संवाद भी किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से शुक्रवार को राजभवन में स्वामी विवेकानंद सेवा संस्थान के बच्चों ने मुलाकात की। इस अवसर पर राज्यपाल सभी बच्चों से बेहद आत्मीयता से मिले और उन्होंने बच्चों से संवाद किया। बच्चों से संवाद करते हुए राज्यपाल ने उनके शौक के बारे में पूछा जिनका सभी बच्चों ने बेहद उत्सुकता के साथ जवाब दिए। राज्यपाल से मिलकर सभी बच्चे बेहद खुश नजर आए।

इस दौरान राज्यपाल ने बच्चों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि हमेशा ऊंचे सपने देखें और उन्हें पूरा करने के लिए दृढ़ निश्चय, आत्मानुशासन और आत्मविश्वास पर हमेशा जोर दें। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता पाने के लिए आत्म अनुशासन और समय का सदुपयोग बेहद जरूरी है। राज्यपाल ने कहा कि सभी बच्चे एक अच्छा नागरिक बन कर राष्ट्र समाज व जनहित में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि वर्तमान में समय के साथ चलना बेहद जरूरी है इसके लिए बच्चों को अभी से ही आधुनिक तकनीकों को अपनाने पर जोर देने को कहा। बच्चे भविष्य की चुनौतियों के लिए सदैव तैयार रहें। उन्होंने कहा कि जिस किसी भी क्षेत्र में जाएं उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने की कोशिश करें। अपने अन्दर की प्रतिभा को पहचाने और हमेशा उसे निखारने का प्रयास करते रहें।

राज्यपाल ने कहा कि अमृत काल के आने वाले 25 सालों में आप सभी बच्चे देश एवं प्रदेश का नेतृत्व करेंगे। विकसित भारत में आपका बेहद महत्वपूर्ण योगदान होगा। उन्होंने कहा कि आप सभी बच्चों के योगदान से ही उत्तराखण्ड और भारत सर्वश्रेष्ठ स्थान पर होगा। राज्यपाल ने सभी बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर बच्चों के अध्यापकगण और संस्थान के सचिव गुलशन माकिन उपस्थित रहे।

विश्वशांति का मार्ग प्रशस्त करेगी मां दक्षिण काली : कैलाशानंद गिरी

हरिद्वार। निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी के सानिध्य में विश्वशांति के लिए श्री दक्षिण काली मंदिर में विशेष अनुष्ठान का शुभारंभ किया गया है। स्वामी कैलशानंद गिरी ने कहा कि अनुष्ठान के फलस्वरूप और मां दक्षिण काली की कृपा से विश्व में व्याप्त अशांति का वातावरण दूर होगा और कल्याण का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि श्री दक्षिण काली मंदिर में साक्षात रूप से विराजमान मां दक्षिण काली के दर्शन मात्र से ही भक्तों के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वशांति के लिए किए जा रहे अनुष्ठान का समापन छह अप्रैल को होगा। इस दौरान स्वामी अवंतिकानन्द ब्रह्मचारी, स्वामी कृष्णानंद ब्रह्मचारी, आचार्य पवनदत्त मिश्र, प्रमोद पांडे, लाल बाबा, मुख्य पुजारी स्वामी विवेकानंद, सुधीर पांडे सहित बड़ी संख्या में भक्त मौजूद रहे।

राहुल गांधी के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया अपना रही भाजपा : यशपाल आर्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हल्द्वानी , 1 अप्रैल , नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा की नरेंद्र मोदी सरकार राहुल गांधी के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया अख्तियार करते हुए एक-एक कर ऐसे निर्णय ले रही है ताकि वो अडानी मुद्दे पर राहुल गांधी को खामोश करा सके लेकिन राहुल गांधी बेखौफ होकर मोदी और अडानी के रिश्तों को उजागर करते रहेंगे। आर्य ने कहा 7 फरवरी, 2023 को - श्री राहुल गांधी ने संसद में अपने भाषण में अडानी मेगा घोटाले पर 2 सरल प्रश्न पूछे -रु. अडानी के स्वामित्व वाली शेल कंपनियों में 20,000 करोड़ या 3 बिलियन डॉलर हैं। अडानी इस पैसे को उत्पन्न नहीं कर सकता था। वह इंफ्रास्ट्रक्चर बिजनेस में हैं। यह पैसा कहां से आया? किसका पैसा है? ये किसकी शेल कंपनियां हैं? ये कंपनियां डिफेंस फील्ड में काम कर रही हैं। कोई क्यों नहीं जानता? यह किसका पैसा है? इसमें एक चीनी नागरिक शामिल है। कोई यह सवाल क्यों नहीं पूछ रहा है कि यह चीनी नागरिक कौन है?ये पहला सवाल था

आर्य ने कहा कि अडानी के घोटाले पर संसद में राहुल गांधी के भाषण के ठीक 9 दिन बाद, उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा फिर से शुरू हो गया। राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषण से अडानी घोटाले के बहुत विशिष्ट संदर्भ और राहुल गांधी के भाषण (लगभग पूरी तरह से) को संसद के रिकॉर्ड से हटा दिया गया।संसद के बजट सत्र के दूसरे भाग में, भारत के इतिहास में पहली बार एक सत्ताधारी पार्टी- भाजपा संसद को बाधित कर रही है और इसे चलने नहीं दे रही है। यह अदानी को बचाने के लिए एक डायवर्सनरी रणनीति है। जबकि संयुक्त विपक्ष इस पर जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) चाहता है। राहुल गांधी पर भाजपा के मंत्रियों द्वारा हमला किया गया था और दो लिखित अनुरोधों और एक बैठक सहित अध्यक्ष से तीन अनुरोधों के बावजूद संसद में बोलने का अवसर देने से इनकार कर दिया गया था। इससे साफ पता चलता है कि पीएम मोदी नहीं चाहते कि अडानी के साथ उनके रिश्ते का पर्दाफाश हो.

उन्होंने दावा किया कि बीजेपी की ध्यान भटकाने की रणनीति 3 बेतुके आरोपों से साबित होती है:सबसे पहले, उन्होंने दावा किया कि श्री राहुल गांधी ने ₹विदेशी ताकतों₹ से लंदन में भारत की मदद करने के लिए कहा। वह सफेद झूठ है! अगर कोई यू. इसके बजाय, उन्होंने जो कहा वह था "यह हमारी समस्या है (मोदी के तहत लोकतांत्रिक संस्थानों का क्षरण); यह आंतरिक समस्या है और यह भारत की समस्या है और समाधान अंदर से आने वाला है, यह बाहर से नहीं आने वाला है। भाजपा अब यह झूठा हौआ खड़ा कर रही है कि श्री राहुल गांधी ने ओबीसी को सिर्फ इसलिए निशाना बनाया, क्योंकि उन्होंने पीएम मोदी से एक सवाल किया था! ध्यान भटकाने का एक और बोगस हथकंडा! एकता फैलाने के लिए ₹भारत जोड़ो यात्रा₹ में 4000 किलोमीटर पैदल चलने वाला व्यक्ति कैसे एक समुदाय को निशाना बना सकता है?फिर बीजेपी की अयोग्यता आई। सूरत, गुजरात में एक निचली अदालत के फैसले के 24 घंटे के भीतर- भाजपा ने श्री गांधी को लोकसभा से अयोग्य घोषित करने के लिए ₹बिजली की गति₹ से काम किया, भले ही अदालत ने उन्हें उच्च न्यायालय में अपील करने के लिए 30 दिन का समय दिया था! भाजपा श्री राहुल गांधी से इतना डरती क्यों है ? ओबीसी समुदाय का अपमान करने का आरोप लगाने की भाजपा की घटिया चाल ,स्पष्ट हताशा साबित करती है।आर्य ने कहा राहुल गांधी और कांग्रेस डरने वाली नहीं है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान हम सीधे लोगों के पास गए और उनकी चिंताओं को सुना- महंगाई, बेरोजगारी, सामाजिक असमानता और संस्थानों पर कब्जा। हम लोगों के इन मुद्दों को उठाते रहेंगे और अपना संदेश सीधे लोगों तक पहुंचाते रहेंगे।इस अवसर पर ज़िला अध्यक्ष ऊधम सिंह नगर हिमांशु गावा,उपनेता प्रतिपक्ष विधायक खटीमा भुवन कापड़ी,जसपुर विधायक आदेश चौहान ,नानकमत्ता विधायक गोपाल राणा,महानगरअध्यक्ष सीपी शर्मा, गणेश उपाध्याय,पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन,ममताहालदार उपस्थित रहे।

कोरोना के बढ़ते मामलों मे बूस्टर डोज़ लेने को लेकर जुड़े आपके सवालों के जवाब

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 1 अप्रैल : देशभर में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे में कोविड के बूस्टर डोज पर एक बार फिर से चर्चा शुरू हो गई है। लोगों के मन में इसे लेकर कई सवाल हैं कि आखिरकार किन लोगों को बूस्टर डोज लगवाना चाहिए, कब लगवाना चाहिए और आप इसे कितनी बार लगा सकते हैं। इन्हीं तमाम सवालों के जवाब को जान लेते हैं कि बूस्टर डोज को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने क्या कहा है।

स्वस्थ वयस्कों के लिए जरूरी नहीं है बार-बार बूस्टर डोज: WHO

विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि कोरोना के कम जोखिम वाले वयस्कों के लिए अतिरिक्त कोविड-19 वैक्सीन बूस्टर डोज लगवाना जरूरी नहीं है। दरअसल, डब्ल्यूएचओ के वैक्सीन विशेषज्ञों ने मंगलवार को कहा कि जिन लोगों ने अपना प्राथमिक टीकाकरण कोर्स पूरा कर लिया है और एक बूस्टर डोज भी ले चुके हैं, उनके लिए इसे बार-बार लेना जरूरी नहीं है। लेकिन, आप लेना चाहें तो ले सकते हैं पर इसका कोई खास फायदा नहीं है।

COVID-19 टीकाकरण के लिए तय की गई 3 श्रेणियां: SAGE

संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी के टीकाकरण पर विशेषज्ञों की सलाहकार समूह ने अपनी नियमित द्विवार्षिक बैठक के बाद कई सिफारिशें जारी की हैं। सेज ने कोविड - 19 टीकाकरण के लिए तीन नई, श्रेणियां बनाई हैं और इनके बारे में बताया है। जिनमें लोगों को हाई , मीडियम और लो रिस्क वाली तीन श्रेणियों में बांटा है। जिनमें गंभीर बीमारी या मृत्यु के जोखिम के आधार पर बूस्टर डोज की सलाह दी गई है। जिसमें कि -हाई वाले ले सकते हैं अतिरिक्त बूस्टर शॉट्स। इनमें शामिल हैं डायबिटीज, HIV जैसी इम्यूनोकॉम्प्रोमाइजिंग स्थितियों वाले लोग। प्रेग्नेंट औरतें और फ्रंट-लाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ता।-मीडियम वाले समूह में स्वस्थ वयस्क, आमतौर पर 60 वर्ष से कम आयु के लोग और बच्चे और किशोर शामिल हैं। इन लोगों के लिए पहली बूस्टर खुराक की सिफारिश की गई है। इस दौरान ध्यान देने वाली बात ये है कि इस ग्रुप के लिए बार-बार बूस्टर डोज लेनी का सुझाव नहीं दिया गया है।-SAGE अंतिम डोज के बाद 6 या 12 महीने के बाद अतिरिक्त बूस्टर डोज की सिफारिश करता है, जिसकी समय सीमा उम्र और इम्यूनोकॉम्प्रोमाइजिंग स्थितियों जैसे कारकों पर निर्भर करेगी।

1. बूस्टर डोज कब ले सकते हैं?

डॉ. अज़मत बताते हैं कि दूसरे टीकाकरण के 9 महीने बाद आप बूस्टर डोज ले सकते हैं। ये उन लोगों के लिए ही लागू है जिन्होंने पहले 2 टीके लगवाए हैं। यह हेल्थकेयर से जुड़े लोगों, कॉमोरबिडिटी वाले बीमार लोग और वरिष्ठ नागरिकों के लिए जरूरी है।

2. बूस्टर डोज क्यों लेना चाहिए? इस सवाल पर डॉ. अज़मत करीम कहते हैं कि यह ओरिजिनल और करंट कोरोना स्ट्रेन से सुरक्षा बरकरार रखता है। इतना ही नहीं यह भविष्य के वेरिएंट के खिलाफ व्यापक रूप से इम्यून रिस्पांस को प्रेरित करता है। यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि आपकी इम्यूनिटी कोरोना के किसी भी वेरिएंट से लड़ने में मददगार है। ज्यादा स्ट्रेस खराब कर सकता है आपकी दिल की सेहत, स्वामी रामदेव से जानें इसे हेल्दी रखने के उपाय3. क्या बार-बार लें सकते हैं बूस्टर डोज ?क्या बार-बार बूस्टर डोज ले सकते हैं तो, डॉ. करीम बताते हैं कि हां, आप ये ले सकते हैं और ये हेल्दी है। इसे पहले बूस्टर के हर 3 महीने के बाद कई बार ले सकते हैं। इतना ही नहीं, डॉ. करीम ये भी बताते हैं कि बूस्टर डोज का असर आम तौर पर तब तक रहना चाहिए जब तक कि कोई नया वैरिएंट नहीं आ जाता है, लेकिन चूंकि यह एक नया वायरस अध्ययन है और कोविड-19 वैक्सीन की प्रभावशीलता और अवधि को समझने के लिए कई क्लिनिकल ट्रायल्स किए जा रहे हैं। इसलिए, पूरी तरह से कोई भी निष्कर्ष तक नहीं पहुंचा जा सकता।

गूगल की बड़ी लापरवाही लगा भारी जुर्माना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 1 अप्रैल : गूगल ने अपने कर्मचारियों की वह चैट डिलीट कर दी, जो मुक्त प्रतिस्पर्धा को नुकसान पहुंचाने के एक मामले में साक्ष्य के तौर पर उपयोगी थी। अमेरिका में चल रहे इन मामलों में सान फ्रांसिस्को के जिला जज जेम्स डोनाटो ने कहा, साक्ष्य संरक्षित रखने के अपने कर्तव्य में कंपनी विफल रही है। इसके लिए वादीगण गूगल से मुकदमे का खर्च बतौर जुर्माना वहन करना चाहते हैं, अदालत ने इस राशि की जानकारी 21 अप्रैल तक मांगी है। मुक्त प्रतिस्पर्धा से जुड़े मामले को लेकर अमेरिका के कई शहरों में मुकदमे दायर हैं। इसे 38 राज्यों के 2.10 करोड़ लोगों से जुड़ा बताया गया है। इनमें गेमिंग कंपनी एपिक गेम्स और मैच ग्रुप भी पक्षकार हैं। इनका कहना है, गूगल ने एंड्रॉइड मोबाइल के कई एप के वितरण में अपने एकाधिकार का दुरुपयोग किया। इससे उन्हें 470 करोड़ डॉलर का नुकसान हुआ है। वहीं, गूगल आरोपों से इनकार किया है ।ऐसे शुरू हुआ नया विवाद। वादीगण के वकीलों ने बताया कि नया विवाद, तब शुरू हुआ जब कंपनी के कर्मचारियों की चैट की जानकारी गूगल से मांगी जा रही थी, लेकिन कंपनी ने हर 24 घंटे में यह चैट रिकॉर्ड डिलीट करने शुरू कर दिए। वकीलों के अनुसार, यह मुकदमे की विषयवस्तु से जुड़ी चैट थी। यह साक्ष्य थे, ऐसे में इन्हें जानबूझ कर डिलीट किया गया, जबकि उस समय मामला दायर हो चुका था।

पीएम नरेंद्र मोदी उत्तराखंड के विधायकों को देंगे प्रशिक्षण पाठशाला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 1 अप्रैल : प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा के विधायकों की आठ अप्रैल से तीन दिन प्रशिक्षण पाठशाला चलेगी। इस पाठशाला में विधायकों के प्रोटोकॉल और अफसरशाही से जुड़े होने का मुद्दा भी गरमाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व अन्य केंद्रीय नेता वर्चुअल माध्यम से विधायकों को सांगठनिक, राजनीतिक और चुनाव प्रबंधन के पाठ पढ़ाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने हरिद्वार में शाह से मिलकर विधायकों के प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम के लिए समय मांगा है। सभी केंद्रीय नेताओं को निमंत्रण देने के लिए वह नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं।बकौल भट्ट, पार्टी ने आठ, नौ व 10 अप्रैल को प्रशिक्षण कार्यक्रम की तिथि तय की है, लेकिन केंद्रीय नेताओं से समय प्राप्त होने के बाद इसमें बदलाव संभव है। उन्होंने कहा कि वह नई दिल्ली में केंद्रीय नेताओं से मुलाकात कर उनसे प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम में विधायकों का मार्गदर्शन करने का अनुरोध करेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई अन्य प्रमुख नेताओं से समय लेने का प्रयास होगा।पाठशाला में ये सीखेंगे विधायक तीन दिवसीय प्रशिक्षण पाठशाला में भाजपा विधायकों को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, विधायकों के अधिकार एवं कर्तव्य, सरकार और संगठन के संबंध, सांगठनिक प्रबंधन, चुनाव प्रबंधन, पार्टी के आगामी कार्यक्रमों में विधायकों की भूमिका, केंद्रीय और राज्य सरकार की नीतियां, कार्यक्रम और लोक कल्याण से जुड़े निर्णय समेत कई अन्य विषय होंगे, जिनके बारे में केंद्रीय नेता अपना मार्गदर्शन देंगे।

कैम्पटी रोड के पास पुश्ता गिरने से कई गाडिय़ां मलबे के नीचे दबी

मसूरी। प्रदेशभर में भारी बारिश का सिलसिला जारी है। बारिश से जगह-जगह सडक़ों पर जलभराव हुआ है, वहीं तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। इसी बीच अब मसूरी में बारिश से भारी नुकसान हुआ है। यहां कैम्पटी रोड के पास भारी भरकम पुश्ता गिरने से कई गाडिय़ां मलबे के नीचे दब गई है। जानकारी के अनुसार, पुश्ता गिरने से तीन वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हुए हैं जबकि दो अन्य वाहनों को भी नुकसान हुआ है।

मौसम विभाग के मुताबिक आज (शुक्रवार) भी मौसम का मिजाज बदले रहने के साथ ही दून में बादल छाने और गर्जन के साथ हल्की से तेज बारिश की संभावना है। दून में 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री और 16 डिग्री के आसपास रहेगा। प्रदेशभर में बृहस्पतिवार रात भी मौसम ने अचानक करवट बदली और झमाझम बारिश हुई थी। बारिश से जगह-जगह सडक़ों पर जलभराव हुआ, वहीं तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। यहां तेज हवा के कारण कई जगह लाइन क्षतिग्रस्त होने से बिजली भी गुल रही। मसूरी में तेज बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

किडनी के फेल होने से पहले दिखते हैं ऐसे संकेत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 अप्रैल , किडनी हमारे शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है। बीन्स के आकार की दिखने वाली किडनी खून को शुद्ध करने और शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है। अगर किसी वजह से आपकी किडनी खराब हो जाती है तो आपका शरीर कई तरह की बीमारियों से घिर जाता है। गुर्दे शरीर के पीएच स्तर, नमक और पोटेशियम के स्तर को भी नियंत्रित करते हैं। खान-पान की गलत आदतों और अनियमित जीवनशैली के कारण किडनी से जुड़ी कई तरह की समस्याएं हो जाती हैं। अधिक शराब पीना, हृदय रोग, हेपेटाइटिस सी और एचआईवी भी किडनी की विफलता के प्रमुख कारण हैं।

किडनी की बीमारी के इन लक्षणों को न करें नजरअंदाज

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक किडनी की बीमारी शुरुआती स्टेज में साइलेंट होती है। सीरम क्रिएटिनिन और यूरिन एल्ब्यूमिन जैसे परीक्षणों की मदद से इसका निदान करने का प्रयास किया जाता है। बाद के चरणों में गुर्दे की समस्याओं से पीड़ित रोगियों को पूरे शरीर में सूजन, झागदार पेशाब और कभी-कभी खून आने की समस्या हो सकती है। किडनी की कार्यक्षमता कमजोर होने से शरीर में टॉक्सिन्स जमा होने लगते हैं। इससे कमर दर्द, पेट के निचले हिस्से में दर्द, पसली में दर्द होता है। त्वचा में खुजली, रूखी त्वचा भी किडनी डिसऑर्डर के शुरुआती लक्षण (kidney disease symptoms) हो सकते हैं। हाई ब्लड प्रेशर, किडनी की समस्याओं का सबसे आम और शुरुआती चेतावनी संकेत है।

जल्दी पेशाब आना

एक स्वस्थ व्यक्ति को दिन में छह से दस बार पेशाब करने की आवश्यकता होती है। लेकिन अगर आपको इससे ज्यादा पेशाब करना पड़े तो किडनी की बीमारी होने की संभावना होती है। गुर्दे की बीमारी वाले व्यक्ति को या तो बार-बार पेशाब करने की इच्छा होती है या कभी-कभी पेशाब करने का मन नहीं करता है। कुछ लोगों के पेशाब में खून भी आता है। ये किडनी फेल होने के कुछ मुख्य लक्षण हैं।

भूख में कमी

गुर्दे रक्त से यूरिया, क्रिएटिनिन, एसिड जैसे नाइट्रोजनयुक्त अपशिष्ट उत्पादों को हटाने के लिए जिम्मेदार होते हैं। ये अपशिष्ट उत्पाद गुर्दे के माध्यम से मूत्राशय में जमा हो जाते हैं। फिर उन्हें मूत्र के माध्यम से शरीर से बाहर निकाल दिया जाता है। लेकिन अगर किडनी को कोई बीमारी या इंफेक्शन हो जाए तो काफी परेशानी होती है। इसके कुछ लक्षण हैं। एक अन्य लक्षण भूख न लगना है। शरीर में अपशिष्ट उत्पादों के जमा होने से हमें भूख नहीं लगती है। साथ ही सुबह उठने के बाद जी मिचलाना या उल्टी होने लगती है। भूख न लगने के कारण खाने की इच्छा न होना भी किडनी की बीमारी का एक लक्षण है। इतना ही नहीं रोगी का वजन भी तेजी से कम होने लगता है।

त्वचा का रूखापन और खुजली

रूखी त्वचा और खुजली भी किडनी के संक्रमण का मुख्य लक्षण हो सकता है। जब गुर्दे रक्त से अवांछित पदार्थों को फ़िल्टर करने में सक्षम नहीं होते हैं, तो खुजली और शुष्क त्वचा जैसे लक्षण प्रकट होते हैं।

कमजोरी या थकान महसूस होना

थकान और कमजोरी महसूस होना भी किडनी की बीमारी का एक लक्षण है। जैसे-जैसे किडनी की बीमारी बिगड़ती है, अधिक थकान, चक्कर आना और शरीर में कमजोरी महसूस होने लगती है। खासतौर पर चलने में भी थकान महसूस होती है।

पैरों में सूजन

किडनी शरीर से अतिरिक्त सोडियम को फिल्टर करने का काम करती है। लेकिन अगर किडनी ठीक से काम नहीं कर रही है तो शरीर में सोडियम की मात्रा बढ़ने लगती है। इससे पैरों, टखनों और पिंडलियों में सूजन आ जाती है। इसे एडिमा कहते हैं। ऐसे में देखा जाए तो किडनी की बीमारी होने पर आंखों में सूजन आ जाती है और चेहरे पर भी। लेकिन कुछ हद तक हाथ, पैर और टखनों में सूजन भी देखी जाती है।

अनिद्रा, बेचैनी की समस्या

अनिद्रा, बेचैनी जिन लोगों को किडनी का संक्रमण होता है उनकी नींद का पैटर्न बिगड़ने लगता है और इस वजह से उन्हें बेचैनी या बेचैनी महसूस होती है और डर भी लगता है। यदि आप इनमें से किसी भी लक्षण का अनुभव कर रहे हैं, तो इसे सामान्य समस्या न समझें और समय रहते डॉक्टर से सलाह लें।

क्या आप जानते हैं एंग्जायटी अटैक और पैनिक अटैक में अंतर ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 अप्रैल , दुनिया भर के लोगों के विभिन्न समूहों द्वारा मानसिक स्वास्थ्य पर तेजी से चर्चा की जा रही है। अब हम समझ गए हैं कि डिप्रेशन और एंग्जायटी अटैक या पैनिक अटैक कमजोरी का परिणाम नहीं हैं। हेल्थलाइन के अनुसार, ₹एक एंग्जायटी अटैक तनाव के जवाब में होता है और धीरे-धीरे बढ़ सकता है, जबकि पैनिक अटैक मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति को इंगित करता है।₹कई बार, पैनिक अटैक और एंग्जायटी अटैक जैसे शब्दों का इस्तेमाल एक-दूसरे के लिए कारणों, लक्षणों और उपचार के विकल्पों को समझे बिना एक दूसरे के स्थान पर किया जाता है। आज हम जानेंगे कि पैनिक अटैक और एंग्जायटी अटैक क्या हैं और उन्हें कैसे पहचान कर उनका इलाज किया जाए।

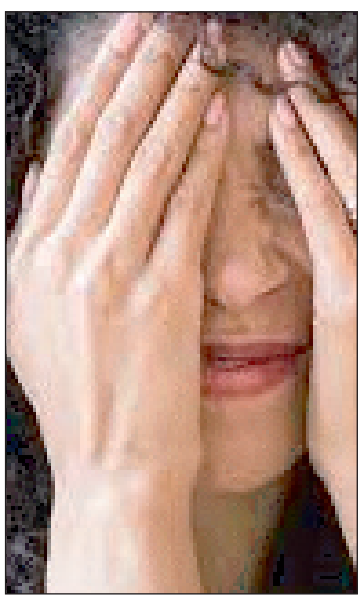

एंग्जायटी अटैक मानसिक स्वास्थ्य विकारों का एक समूह है जिसमें एगोराफोबिया (भीड़-भाड़ वाली जगहों का डर), क्लॉस्ट्रोफोबिया (सीमित स्थानों का डर), एक्रोफोबिया (ऊंचाई का डर) और पैनिक अटैक, पैनिक डिसऑर्डर , सामान्य एंग्जायटी अटैक जैसे विकार शामिल हैं।एंग्ज़ाइटी अटैक एक बोलचाल का शब्द है जिसका उपयोग तनाव चिंता को लेकर एक अवधि को समझने के लिए किया जाता है। इसमें व्यक्ति किसी व्यवहार को लेकर काफी समय परेशान रहता है। दूसरी ओर पैनिक अटैक किसी डर के कारण अचानक से होने वाली शारीरिक प्रतिक्रिया है। इसमें भय, तनाव, सामाजिक विकार या ड्राइविंग जैसी चिंता कारकों से पैनिक अटैक शुरू हो सकते हैं, पैनिक अटैक अचानक से और तीव्र गति से होता है। पैनिक अटैक आमतौर पर किसी खतरे के कारण होती है, जैसे की ओसीडी, जीएडी, सोशल फ़ोबिया या अन्य फ़ोबिया वहीं एंग्जायटी अटैक कुछ तनावपूर्ण स्थितियों की प्रतिक्रिया में भी हो सकता है जब एंग्जायटी सामान्य स्तर से अधिक बढ़ जाती है। ऐसी स्थितियों में नौकरी में बदलाव, रिश्ते, फाइनेंशियल स्ट्रेस, दूसरों के सामने स्टेज पर बोलने से घबराना किसी बीमारी लेकर या अन्य कारण शामिल हैं। इसके अलावा यह अनुवांशिकी कारण भी हो सकता है, जिसमें परिवार के लोगों को इससे जूझना पड़ता है।अगर आपको पैनिक अटैक आता है, तो सबसे पहले आपको डॉक्टर के पास जाना चाहिए। हालांकि पैनिक अटैक जानलेवा नहीं होते, लेकिन ये दिमाग पर बुरा असर डालते हैं। इससे व्यक्ति के जीवन पर भी बुरा प्रभाव पड़ सकता है। अपने दैनिक जीवन में व्यायाम करें, ध्यान का सहारा लें, अरोमाथेरेपी का सहारा लें, श्वास संबंधी व्यायाम करें। साथ ही अपनी काउंसलिंग किसी अच्छे डॉक्टर से करवाएं। ऐसा करने से आप इसके दुष्प्रभावों से बच सकते हैं।

बेटी होने पर नहीं लेते फीस, अस्पताल में कटवाते हैं केक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

डॉक्टर गणेश राख एक मिशन पर हैं। मिशन है बेटी बचाने का। पिछले कुछ सालों में उन्होंने अपने हाथों से हजारों बच्चियों की डिलीवरी कराई है। इसके लिए वह एक पैसा चार्ज नहीं करते। अलबत्ता, बेटी का जन्म होते ही उनके अस्पताल में जश्न का माहौल बन जाता है। केक कटता है और पूरे उत्साह के साथ इसे सेलिब्रेट किया जाता है। यह सब कुछ करने के पीछे बड़ी वजह है। डॉक्टर गणेश ने उन दिनों को देखा है जब लड़की पैदा होने पर परिवार वाले देखने तक नहीं आते थे। दूसरी ओर बेटा पैदा होने पर हल्ला-गुल्ला मच जाता था। यह बात उन्हें बहुत ज्यादा चुभती थी। उन्होंने तभी फैसला लिया कि बेटी होने पर वह कोई पैसा नहीं लेंगे। सिर्फ इतना ही नहीं। जन्म के बाद जितने वक्त के लिए भी मां और बेटी देखरेख में रहती हैं, उसका पूरा खर्च भी अस्पताल ही उठाता है। डॉ गणेश की यह नेकी आज मिसाल बन चुकी है।डॉक्टर गणेश पुणे के हैं। हडपसर में उनका मैटरनिटी और मल्टीडिसीप्लिनरी हॉस्पिटल है। यह अस्पताल 'बेटी बचाओ' का जीता-जागता उदाहरण बन चुका है। डॉ गणेश पिछले करीब एक दशक में 2,400 से ज्यादा बेटियों की फ्री डिलीवरी कर चुके हैं। बेटी के जन्म पर उन्होंने आज तक एक पैसा नहीं लिया है। इस पहल को उन्होंने 'बेटी बचाओ जन आंदोलन' नाम दिया है।

इस विद्यालय को मंत्री डॉ अग्रवाल ने दी 5 लाख रुपए की विधायक निधि

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश 1 अप्रैल , क्षेत्रीय विधायक व मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने लाला जातिराम अग्रवाल सरस्वती शिशु विद्या मन्दिर विद्यालय के वार्षिक परीक्षाफल कार्यक्रम में शिरकत की और सर्वोच्च अंक हासिल करने वाले मेधावी बच्चों को पुरस्कृत कर हौसला बढ़ाया। इस दौरान मंत्री डॉ अग्रवाल ने 05 लाख रुपए की विधायक निधि कक्ष निर्माण के लिए देने की घोषणा भी की। विद्यालय का परिणाम शत प्रतिशत रहने पर मंत्री डॉ अग्रवाल ने प्रशंसा व्यक्त की। विद्यालय प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मंत्री डॉ अग्रवाल ने मॉ शारदा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर मंत्री डॉ अग्रवाल ने प्ले ग्रुप की वान्या पांडेय, एलकेजी की सुकृग्या, यूकेजी के वशिष्ट डोबरियाल, प्रथम कक्षा की नव्या, द्वितीय कक्षा की नमृता, तृतीय कक्षा की वंशिका, चतुर्थ कक्षा की अनिरुद्ध डोबरियाल, पंचम कक्षा की जीविका प्रजापति, षष्ठ कक्षा के अविरल और सिद्धार्थ, सप्तम कक्षा के सक्षम, अष्टम कक्षा के सुमित गिरी को अपनी कक्षा में प्रथम आने पर पुरस्कृत कर सम्मानित किया। इसके अलावा विद्यालय की ओर से बेस्ट स्टूडेंट का अवार्ड अविरल थपलियाल को दिया गया। इस मौके पर मंत्री डॉ अग्रवाल ने कहा कि वार्षिक परीक्षा विद्यालय की वार्षिक प्रस्तुति को दर्शाता है और यह आवश्यक भी है। इसके जरिए विद्यालय के बच्चों को प्रतिभा निखारती है। यह शिक्षक की परफॉर्मेंस को भी दर्शाता है। कहा कि यह पूरे वर्षभर बच्चों को दी गई शिक्षा, प्रशिक्षण, शारीरिक और सांस्कृतिक अभ्यास की दीक्षा का परीक्षण किया जाता है। डॉ अग्रवाल ने कहा कि आदर्श नगर स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में संस्कारवान शिक्षा के साथ नई शिक्षा नीति के तहत अध्ययन कराया जाता है उन्होंने कहा कि5 विद्यालय से शिक्षा लेकर बच्चों ने देश ही नहीं विदेशों में भी नाम रोशन किया है। इस मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हरगोपाल अग्रवाल, व्यवस्थापक दीपक तायल, कोषाध्यक्ष नवल कपूर, प्रधानाचार्य गुरु प्रसाद उनियाल, प्रधानाचार्य सरस्वती विद्या मंदिर आवास विकास राजेन्द्र पांडेय, गोपाल नारंग, दिगंबर गुसाई, संतोष डबराल, अर्पणा रावत, मनमोहन शाह आदि उपस्थित रहे।

51 प्रमुख सिख कारोबारीयों में शामिल हुए श्री हेमकुण्ट साहिब ट्रस्ट के चेयरमैन नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा

देहरादून , 1 अप्रैल , देश की एक प्रमुख प्रकाशन ग्रह Outlook ने एक कॉफी टेबल किताब Sikh Business Leaders of India का प्रकाशन किया जिसमें भारत के 51 प्रमुख सिख कारोबारीयों का चयन कर उनकी उपलब्धियों का वर्णन किया हैं। उत्तराखण्ड के नरेन्द्र जीत सिंह बिंद्रा जो वर्तमान में श्री हेमकुण्ट साहिब मैनेजमैंट ट्रस्ट के चेयरमैन हैं और उत्तराखण्ड के भूतपूर्व चेयरमैन माइनॉरिटीज़ कमिशन रहे हैं को इस पुस्तक में स्थान दिया गया है। बिन्द्रा द्वारा दी जा रही निस्वार्थ सेवा को सराहा गया।इस किताब का विमोचन मनोहर लाल खट्टर मुख्य मंत्री हरियाणा, डॉ तरलोचन सिंह पूर्व चेयरमैन राष्ट्रीय माइनॉरिटीज़ कमीशन, चरण सिंह चेयरमैन पंजाब सिन्ध बैंक एवं एम एस कोहली पूर्व चेयरमैन पंजाब नेशनल बैंक द्वारा किया गया। विमोचन के समय विश्व भर से प्रमुख व्यवसायी एवम्गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।बिंद्रा का इस पुस्तक में स्थान पाना उत्तराखंड के सभी नागरिकों को गोरणवित करता है।

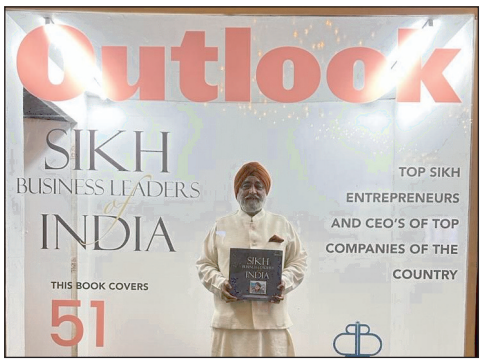

गृहकर में छूट को लेकर मंत्री गणेश जोशी से मिले पूर्व सैनिक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 1 अप्रैल , सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने प्रदेश के छावनी परिषदो में सभी भूतपूर्व सैनिकों का गृहकर माफ करने और सैन्य अधिकारियो को भी गृहकर में छूट दिये जाने के संबंध में प्रस्ताव बनाने और उसे मंत्रिमंडल के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश विभागीय सचिव को दिए। सैनिक कल्याण मंत्री से मिलने पहुँचे देहरादून भूतपूर्व सैनिक संगठन के उपाध्यक्ष ले० कर्नल बीएम थापा ने बताया कि पिछले दिनों मुख्यमंत्री द्वारा एक कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के सैनिकों और पूर्व सैनिकों के साथ-साथ सभी सैन्य अधिकारियो को भी गृहकर में छूट दिये जाने की घोषणा की गई थी, जिसका शासनादेश अभी तक नहीं हुआ। इसके अतिरिक्त, उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि छावनी क्षेत्रों में सैनिकों और पूर्व सैनिकों को गृहकर में छूट को लेकर भी तत्काल शासनादेश जारी करने का अनुरोध किया। सैनिक कल्याण मंत्री ने दूरभाष पर विभागीय सचिव को इस प्रकरण पर तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिये।

ATM बार-बार ट्राई करने वाले पढ़ ले - 1 मई से बदल रहे नियम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 अप्रैल , अगर आपके खाते में पैसे नहीं हैं और एटीएम का बार-बार इस्तेमाल करते हैं. अभी तक आपको इस पर कोई चार्ज नहीं देना पड़ता हैं तो आब सावधान हो जाइए. खाते में पैसे न होने पर आपको एटीएम का बार-बार इस्तेमाल करना भारी पड़ सकता है. इससे आपको काफी नुकसान हो सकता है. क्योंकि देश का सबसे बड़ा दूसरा सरकारी बैंक पीएनबी ग्राहकों के लिए नया नियम बनाने जा रहा है. जिसका बोझ सीधे आम लोगों की जेब पर पड़ेगा. आपके खाते में पर्याप्त पैसे न होने से एटीएम ट्रांजेक्शन पूरा नहीं होता है तो आपको नकद निकासी लेनदेन पर 10+ जीएसटी चार्ज लगाने की तैयारी कर रहा है.

एटीएम से पैसे निकालते समय आपका ट्रांजेक्शन असफल हो जाता है या पर्याप्त पैसे न होने से एटीएम ट्रांजेक्शन पूरा नहीं होता है तो आपको नकद निकासी लेनदेन पर 10+ जीएसटी चार्ज लगाने की तैयारी में है. पीएनबी यह नियम 1 मई 2023 से लागू करेगा. यानि आपको खाते में अपर्याप्त धन के कारण असफल डोमेस्टिक एटीएम नकद निकासी लेनदेन पर 10+जीएसटी देना होगा.

पीएनबी कर रहा ये तैयारी

बता दें कि बैंक डेबिट कार्ड और प्रीपेड कार्ड जारी करने के फीस और सालाना मेंटीनेंस फीस को बदलने की प्रक्रिया में है. अगर आप किसी भी सामान की खरीदारी करते समय पीओएस और डेबिट कार्ड के माध्यम से पेमेंट करते हैं. और खाते में बैलेंस नहीं है और ट्रांजेक्शन फेल हो जाता है. इस स्थिति में भी बैंक ई-कॉम लेनदेन पर पेनाल्टी लगाने की भी योजना बना रहा है.

जानिए रामजान के महीने में कैसी हो आपकी दिनचर्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 अप्रैल , रमजान का महीना चल रहा है। यह महीना मुसलमानों के लिए बहुत ही पवित्र माना जाता है। इस पाक महीने में लोग एक महीने तक तक सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त तक बिना पानी और बिना खाने के उपवास रखते हैं। ऐसे में रोजा रखने के दौरान आपको सेहत का ख्याल रखना काफी जरूरी है। तो आइए जानते हैं, रामजान के महीने में सेहतमंद रहने के लिए किन बातों का ख्याल रखना चाहिए।

जानिए रामजान के महीने में कैसी हो आपकी दिनचर्या

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 अप्रैल , रमजान का महीना चल रहा है। यह महीना मुसलमानों के लिए बहुत ही पवित्र माना जाता है। इस पाक महीने में लोग एक महीने तक तक सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त तक बिना पानी और बिना खाने के उपवास रखते हैं। ऐसे में रोजा रखने के दौरान आपको सेहत का ख्याल रखना काफी जरूरी है। तो आइए जानते हैं, रामजान के महीने में सेहतमंद रहने के लिए किन बातों का ख्याल रखना चाहिए।

शरीर में पानी की कमी न होने दें

उपवास में शरीर को हाइड्रेट रखना सबसे ज्यादा जरूरी है। इसके लिए सूर्योदय से पहले खूब पानी पिएं तो वहीं इफ्तार के बाद भी 3-4 गिलास पानी या मौसमी, संतरा, नारियल पानी आदि का सेवन कर सकते हैं। डाइट में ऐसे फूड्स शामिल करें, जो आपके शरीर में पानी की कमी न होने दें, इसके लिए आप खीरा, तरबूज आदि खा सकते हैं। इसके अलावा चीनी युक्त ड्रिंक्स या कैफीन युक्त चीज़ें को पीने से बचें, क्योंकि इनके सेवन से उपवास के दौरान प्यास बढ़ती है और शरीर में पानी की कमी होती है।

हेल्दी डाइट लें

इस दौरान तली-भुनी चीजें, मिठाइयां खाने के बजाय पोषक तत्वों से भरपूर फूड्स का सेवन करें। जैसे- उपवास की डाइट में फल, सब्जियां और साबुत अनाज को शामिल करें। ये प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और अन्य जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। सेहरी और इफ्तार में संतुलित आहार लें, जो आपको दिन भर ऊर्जावान रखने में मदद करेंगे।

एक्सरसाइज करें

अगर आप उपवास कर रहे हैं, तब भी नियमित रूप से एक्सरसाइज करें। इससे आप रमजान के महीने में ऊर्जावान महसूस करेंगे। व्यायाम करने से तनाव कम होता है, जिससे आपका स्वास्थ्य बेहतर हो सकता है। इफ्तार के बाद व्यायाम करने की कोशिश करें।

पर्याप्त नींद लें

रमज़ान के पाक महीने में एनर्जेटिक रहने के लिए पर्याप्त नींद लेना बहुत जरूरी है। रोजाना कम से कम 7-8 घंटे की नींद लें। इफ्तार के बाद जल्दी सोने की कोशिश करें। सोने से पहले चाय या कॉफी पीने से परहेज करें। ये आपकी नींद में बाधा डाल सकते हैं, जिससे आप अगले दिन थका हुआ महसूस कर सकते हैं।

डेस्क टॉप पर What-sApp की प्राइवेट चैट्स को यूँ करें ब्लर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

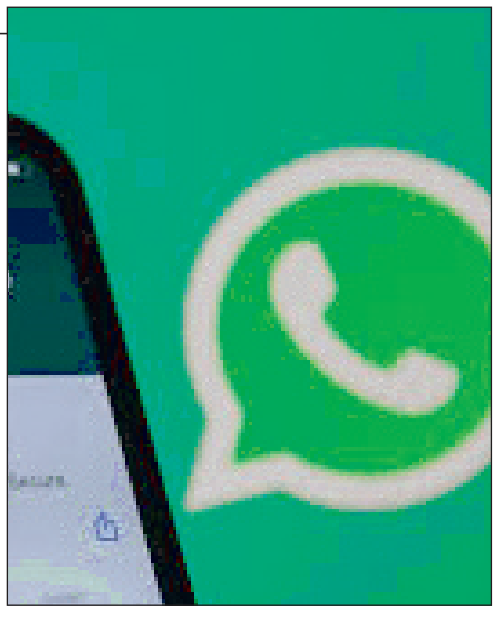

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 अप्रैल , दुनियाभर में लाखों लोग पर्सनल और प्रोफेशनल कम्यूनिकेशन के लिए WhatsApp का इस्तेमाल करते हैं। यह यूजर्स के लिए वन-स्टॉप डेस्टिनेशन बन गया है। क्योंकि इससे लोग मैसेज के अलावा डॉक्यूमेंट भेजना, वीडियो कॉल करना जैसे काम आसानी से कर सकते हैं। जब कभी आप अपने ऑफिस में बैठे होते हैं और WhatsApp पर किसी से बात कर रहे होते हैं, तो कई बार ऐसा होता है कि आपको कोई झांक कर देख रहा होता है। जो भी बात आप कर रहे होते हैं वो सभी वो व्यक्ति पढ़ रहा होता है।

अगर आपको भी यह परेशानी अपने ऑफिस वालों के साथ आती है तो आज हम आपको एक ऐसा तरीका बताएंगे कि आप कैसे WhatsApp को अपने ऑफिस से लोगों से बचाकर रख सकते हैं। आपको बस अपने क्रोम पर एक एक्सटेंशन डाउनलोड करना है। यह एक्सटेंशन प्राइवेसी टूल्स के साथ आता है। WA Web Plus for WhatsApp एक ऐसा एक्सटेंशन है जो आपकी चैट, कॉन्टैक्ट समेत सभी कुछ ब्लर कर देगा। फिर आप किससे चैट कर रहे हैं और क्या बात कर रहे हैं, ये किसी को पता नहीं चल पाएगा।

कैसे इस्तेमाल करें WA Web Plus for WhatsApp एक्सटेंशन:

सबसे पहले क्रोम वेब स्टोर खोलें और WA Web Plus for WhatsApp सर्च करें।Add To Chrome बटन पर क्लिक करें।फिर टूलबार पर एक्सटेंशन के लिए एक नया शॉर्टकट दिखाई देगा।व्हाट्सएप लॉन्च करने के लिए शॉर्टकट पर क्लिक करें।एक्सटेंशन का मेन्यू खोलने के लिए फिर से शॉर्टकट पर क्लिक करें।

संपादकीय

क्रेडिट एजेंसियों की प्रासंगिकता पर सवाल

वर्ष 2007-08 के दौरान अमेरिकी अर्थव्यवस्था एक भयंकर त्रासदी से गुजरी और लीमन ब्रदर्स के साथ सैकड़ों अमेरिकी बैंक दिवालिया हो गये थे. जैसा कि होता रहा है, इस वित्तीय संकट से यूरोप के बैंकों पर भी भारी मुश्किल आयी और दुनियाभर के देशों पर भी कुछ न कुछ प्रभाव हुआ. तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने कहा था कि भारत इस संकट से अछूता है क्योंकि भारतीय बैंकों का कोई विशेष एक्सपोजर पश्चिम के बैंकों के साथ नहीं है. भारत के निर्यात पर कुछ असर जरूर हुआ, लेकिन भारत की आर्थिक वृद्धि की यात्रा जारी रही और भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाले मुल्कों में बना रहा. वह संकट अमेरिकी सरकार द्वारा तीन खरब डालर की सहायता से उस समय तो टल गया, लेकिन जानकारों का कहना है कि उसके बाद अमेरिकी अर्थव्यवस्था कमजोर जरूर हुई. दिलचस्प बात यह रही कि दुनिया और महत्वपूर्ण संस्थाओं पर 'पैनी' नजर रखने वाली रेटिंग एजेंसियों की भूमिका उस संकट के पहले और उसके बाद संदेहास्पद बनी रही. मार्च के दूसरे सप्ताह में अमेरिकी टेक स्टार्टअप की फंडिंग करने वाला सिलिकॉन वैली बैंक अचानक बंद हो गया और उसका अधिग्रहण सरकार ने कर लिया. जानकारों का मानना है कि इस बैंक का डूबना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए 'लीमन ब्रदर्स' के डूबने सरीखा है. इसके साथ ही अमेरिकी वित्तीय संकट फिर गहराने लगा है. बढ़ती ब्याज दरों के चलते अमेरिकी सरकार समर्थित मोर्टगेज प्रतिभूतियां और यहां तक कि अमरीकी ट्रेजरी बिल, जो अत्यंत सुरक्षित माने जाते थे, की कीमत में भी नाटकीय ढंग से गिरावट आयी. सिलिकॉन वैली बैंक के बाद 167 साल पुराना स्विट्जरलैंड का दूसरा सबसे बड़ा बैंक और वैश्विक इतिहास में सर्वाधिक प्रभावशाली बैंक 'क्रेडिट स्विस' वहां के सबसे बड़े बैंक 'यूबीएस' के हाथों बिक गया. दुनिया की बड़ी रेटिंग एजेंसियां फिर निवेशकों को जोखिम के बारे में आगाह करने में पूरी तरह विफल रही हैं. सिलिकॉन वैली बैंक के डूबने से पहले तक मूडीज ने इस पर ए3 की रेटिंग बनाये रखी, जो उसकी सातवीं उच्चतम रेटिंग है. इससे ज्यादा दिलचस्प बात यह रही कि डूबने के दिन भी मूडीज ने उसे मात्र एक पायदान नीचे किया था. ये दोनों रेटिंग निवेशकों को रत्ती भर भी आगाह नहीं करती कि इस संस्था में निवेश हेतु कोई जोखिम है. यही बात 'क्रेडिट सुइस' के संबंध में भी लागू होती है. उसकी वेबसाइट पर ही लिखा है कि उसकी क्रेडिट रेटिंग 20 मार्च तक बरकरार रही. यह बात उजागर हो चुकी है कि रेटिंग एजेंसियां निवेशकों को समय पर चेतावनी देने में बुरी तरह असफल रही हैं. दुनिया में तीन प्रमुख रेटिंग एजेंसियों- स्टैंडर्ड एंड पुअर्स, मूडीज और फिच- की महत्वपूर्ण उपस्थिति है. स्टैंडर्ड एंड पुअर्स और मूडीज का मुख्यालय अमेरिका में है, जबकि फिच का मुख्यालय न्यूयॉर्क और लंदन दोनों में है.

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus

न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

बच्ची को खून देने के लिए 5 'फरिश्तों' ने तोड़ा रोजा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 अप्रैल , इंसानियत से बड़ा भला कौन सा धर्म हो सकता है ये सच साबित किया है उन पांच मुस्लिम नौजवानों ने जिन्होंने निभाया है मानवता का धर्म उन्होंने कैंसर से जूझ रही एक 14 साल की लड़की की जान बचाई है। इस बच्ची को तुरंत खून की जरूरत थी। इन नौजवानों ने ब्लड डोनेट करने के लिए अपना रोजा तोड़ दिया। लड़कों का मानना है कि ऊपर वाले ने भी शायद इस नेक काम के लिए उन्हें चुना था। बच्ची की जान बचाकर उन्हें जो सुकून मिला है, उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। रमजान के मुबारक समय में जरूरतमंद बच्ची को समय से खून देकर इन लड़कों ने इंसानियत की सच्ची मिसाल पेश की है। खास बात है कि ये परिवार को जानते तक नहीं थे। बच्ची के लिए ये फरिश्ते बनकर आ गए।

जानिए क्या था पूरा मामला ?

देहरादून के बाहरी इलाके डोईवाला में एक प्राइवेट अस्पताल में अंकिता को भर्ती कराया गया था। उसे पांच यूनिट खून की तुरंत जरूरत थी। अंकिता को ब्लड कैंसर है। अंकिता के पिता ब्यासमुनि एक प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं। मूल रूप से वह बिहार के हैं। पिछले 10 साल से परिवार हरिद्वार में रह रहा है। अंकिता ने हाल ही में 8वीं की परीक्षा पास की है। करीब एक हफ्ते पहले परिवार को अंकिता के ब्लड कैंसर होने का पता चला। यह उनके लिए किसी झटके से कम नहीं था। अंकिता के ट्रीटमेंट में ब्लड ट्रांसफ्यूजन अहम हिस्सा है। उसकी जिंदगी के लिए और ऐसे ट्रांसफ्यूजन की जरूरत पड़ेगी।

जानिए कौन हैं ये लड़केऔर कैसे पहुंचे अस्पताल ?

कैंसर पीड़ति बच्ची को खून देने वाले इन लड़कों में शाहरूख मलिक, जिशान अली, आसिफ अली, सावेज अली और साहिल अली शामिल थे। इनकी उम्र 24 से 26 साल के बीच है। शाहरुख बताते हैं कि उन्हें लगता है कि ऊपर वाले ने उनका रोजा स्वीकार कर लिया है। उन्होंने बच्ची की जान बचाने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्हें खुशी है कि खुदा ने इसके लिए उन्हें चुना।

मुख्यमंत्री धामी और केन्द्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए 182 करोड़ की चार परियोजनाओं का किया शिलान्यास

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,31 मार्च। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को उत्तराखण्ड में स्वास्थ्य से संबंधित लगभग 182 करोड़ रूपये की चार परियोजनाओं का शिलान्यास किया। जिसमें 124.10 करोड़ की लागत से दून मेडिकल कॉलेज में 500 शैय्या के नवीन ब्लॉक का निर्माण, रूद्रप्रयाग में 20.38 करोड़ की लागत से क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निर्माण, श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में 18.80 करोड़ की लागत से क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निर्माण एवं हल्द्वानी (नैनीताल) में 19.48 करोड़ की लागत से क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निर्माण कार्य शामिल है। मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित कार्यक्रम में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया जोशीमठ से वर्चुअल माध्यम से जुड़े।

प्रदेश को स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं के लिए केन्द्र सरकार देगी पूरा सहयोग- केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि आज राज्य में 180 करोड़ से अधिक कार्यों का शिलान्यास हुआ है। उत्तराखण्ड विकास की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। यदि राज्य सरकार केन्द्र द्वारा दिये गये लक्ष्य को प्राप्त करती है, तो राज्य को धन की कोई कमी न हो, इसका हमारा प्रयास रहता है। उन्होंने कहा कि मैं कल से उत्तराखण्ड में हूं, नीति एवं मलारी गांव में भ्रमण के दौरान इन गांवों में जनता के साथ संवाद स्थापित करने का अवसर मिला। मलारी गांव के हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर की कम्यूनिटी हेथ ऑफिसर ने कहा कि यहां बड़े अस्पताल नहीं है, फिर भी यहां बड़े डॉक्टर की सुविधा मिलती है।

हेल्थ एवं वेलनेस सेंटरों से ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच रही है स्वास्थ्य सेवा।

राज्य सरकार ने प्रदेश में 02 हजार हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर स्थापित किये हैं। इन सेंटर में दक्ष कम्यूनिटी हेथ ऑफिसर होते हैं। गांवों से मरीज जब यहां आते हैं, तो भारत सरकार के ई संजीवनी प्लेटफार्म के द्वारा हम टेलीकन्सल्टेंट से डिसट्रिक के हॉस्पिटल से जुड़ जाते हैं। जब मरीज के चेकअप की आवश्यकता लगती है तो उसे कहीं और भेजने के बजाय ई संजीवनी के माध्यम से सीनियर डॉक्टर्स या एक्सपर्ट से टेलीकन्सल्टेंट करते हैं। स्पेशलिस्ट डॉक्टर मरीज से भी बात करते हैं। मरीज के ईलाज के लिए एक्सपर्ट डॉक्टर से जो भी निर्देशन मिलता है, इसके हिसाब से हम इलाज करते हैं।

केन्द्रीय मंत्री ने स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास में राज्य सरकार के प्रयासों को सराहा।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि गांव में काम करने वाले किसान एवं गरीब लोग जब ईलाज के लिए हेल्थ और वेलनेस सेंटर में जाते हैं, स्पेशलिस्ट डॉक्टर की सलाह उनको मिल जाती है, तो उन्हें जिला अस्पताल या अन्य अस्पतालों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती है। यह व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित करने के लिए उन्होंने राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया।

स्वस्थ समाज से ही समृद्ध राष्ट्र का निर्माण संभव।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में और उत्तराखण्ड में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश का हेल्थ सेक्टर बदल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने कहा कि हम अमृत काल में देश को विकसित राष्ट्र बनायेंगे। इसके लिए हमारी प्राथमिकता है कि देश के नागरिक स्वस्थ रहें। स्वस्थ समाज ही समृद्ध राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। देश के हेल्थ सेक्टर को पहली बार विकास के साथ मोदी जी ने जोड़ा। स्वास्थ्य के क्षेत्र में हर सेक्टर में होलिस्टिक एप्रोच के साथ कार्य किये जा रहे हैं। 2014 से अब तक स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश में तेजी से सुधार हुआ है। उत्तराखण्ड में होलिस्टिक हेल्थ कवरेज के लिए राज्य को एम्स के साथ ही एम्स का सेटेलाइट सेंटर भी दिया गया है। देश में 1 लाख 56 हजार हेल्थ एवं वेलनेस सेंटरों में आज मुफ्त इलाज हो रहा है। देश में टर्सरी हेल्थ केयर, सेकेण्डरी हेल्थ केयर एवं प्रायमरी हेल्थ केयर को सुनिश्चित करने के लिए हेल्थ इन्फ्रास्टक्चर खड़ा करने की आवश्यकता होती है। इसके लिए देश में आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्टक्चर मिशन चलाया जाता है। देश में क्रिटिकल हेल्थ केयर के लिए 64 हजार करोड़ रूपये 05 साल में खर्च किये जायेंगे। 01 जनपद में औसतन 100 करोड़ रूपये हेल्थ इन्फ्रास्टक्चर के लिए खर्च किया जा रहा है। भारत में ब्रेन पॉवर एवं मेन पॉवर की कभी कमी नहीं थी। भारत सामर्थ्यवान देश है, सवाल था देश के नागरिक को अवसर देने का, जब अब देश के नागरिक को अवसर मिल रहा है, तो नतीजा हमेशा बेहतर होता है।

टी.बी मुक्त उत्तराखण्ड के लिए राज्य सरकार के प्रयासों की भी की सराहना।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि चार दिन पूर्व वाराणसी में विश्व के 40 देशों के प्रतिनिधि टी.बी समिट के लिए आये थे। यूनाइटेड नेशन ने स्टॉप टी.बी अभियान चलाया है। विभिन्न देशों से आये प्रतिनिधियों को हम हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर में ले गये। जिसमें कई देशों के स्वास्थ्य मंत्री भी थे। इन सेंटरों में हमारी आशा बहने, ए.एन.एम., डॉक्टर्स, टी.बी. के मरीज और निक्षय मित्र उनसे संवाद कर रहे थे, तो उन्होने विदेशी प्रतिनिधियों को हेल्थ सिस्टम से संबंधित अनेक जानकारियां दी। केन्द्र सरकार ने सभी जन प्रतिनिधियों, सामाजिक संस्थाओं एवं अधिकारियों को क्षय रोगियों को गोद लेने का आह्वान किया है। इसमें सबका पूरा सहयोग मिला। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि उत्तराखण्ड में जितने भी टी.बी. के मरीज हैं, उनको किसी न किसी ने गोद लिया है। उन्होंने कहा कि मुझे पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली उत्तराखण्ड सरकार पर भरोसा है कि उत्तराखण्ड देश का पहला ऐसा राज्य बने जो सबसे पहले टी.बी मुक्त हो। प्रधानमंत्री जी की उपस्थिति में हमें घोषणा करने का अवसर मिले कि उत्तराखण्ड पहला राज्य बना है, जो टी.बी. मुक्त हो गया। उन्होंने कहा कि जो कार्य राज्य सरकार ने आज हाथ में लिया है, इस पर कार्य तेज गति से हां। इसके लिए केन्द्र सरकार द्वारा पूरी मदद दी जायेगी। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि देश की जनता की आस्था से जुड़े चारधाम यात्रा के लिए राज्य सरकार अच्छा कार्य कर रही है। आगामी चारधाम यात्रा के लिए राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में जो अपेक्षा रखी गई है, हेल्थ सेक्टर में चारधाम के लिए राज्य को उनकी अपेक्षा से भी अधिक सहयोग मिलेगा।

वसुधैव कुटुम्बकम् की अवधारणा पर स्वास्थ्य के क्षेत्र में किये जा रहे हैं कार्य।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि देश के सामर्थ्य से हमने कोविड क्राइसिस से लड़ाई की। हम

वसुधैव कुटुम्बकम् की अवधारणा को मानने वाले लोग हैं। हम केवल अपने बारे में नहीं सोचते, सम्पूर्ण विश्व के बारे में सोचते हैं। स्वास्थ्य हमारे लिए बिजनेस नहीं है, सेवा है। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के दौरान प्रधानमंत्री जी ने कहा था कि हमारा दायित्व है कि हम दुनिया की मदद करें। उस वक्त भारत ने दुनिया के 150 देशों को दवाई उपलब्ध कराई। 78 देशों को कोविड वैक्सीन उपलब्ध कराई है। हम संस्कार के वाहक हैं। हमारे देश के साथ दुनिया का भी भला हो हम ये भी सोचते हैं। भारत में दुनिया से सबसे अच्छे कोविड मैनेजमेंट का उदाहरण प्रस्तुत किया।

उत्तराखण्ड में स्वास्थ्य के क्षेत्र में सहयोग के लिए मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री का जताया आभार।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखण्ड के लिए 182 करोड़ रुपए से अधिक की चार परियोजनाओं का शिलान्यास कर स्वास्थ्य के क्षेत्र में इतनी बड़ी सौगात देने के लिए केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डा. मनसुख मांडविया का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर जीवन का मुख्य ध्येय होना चाहिए यह हमारी संस्कृति मानती है। सबसे पहले शरीर का ध्यान रखें तभी कोई कार्य ठीक से होगा। इसी मूलमंत्र को ध्यान में रखकर सरकार ने राज्य में जन-स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाने पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और दिशा निर्देशन में अन्य क्षेत्रों की भांति स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी देश निरंतर आगे बढ़ रहा है। आज विकास का ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जिसको प्रधानमंत्री जी द्वारा शुरू की गई योजनाओं से लाभ न मिल पाया हो। कोरोना काल में जहां एक ओर प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने करोड़ो लोगों के दो वक्त का भोजन सुनिश्चित किया वहीं आयुष्मान भारत योजना ने देश के नागरिकों को यह भरोसा दिलाया कि बीमार होने पर उन्हें निःशुल्क उपचार अवश्य मिलेगा।

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का विकास एवं सभी को प्रभावी ईलाज हमारी प्राथमिकता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में प्रदेश में चार मोर्चों पर काम करने के लिए सरकार रणनीति बना रही है। पहला मोर्चा है, बीमारियों को रोकने के लिए जन-जागरुकता का। दूसरा मोर्चा है, गरीबों को सस्ता और प्रभावी इलाज देने का है। तीसरा मोर्चा है, हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर और हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स की क्वान्टिटी और क्वालिटी में बढ़ोतरी करना। चौथा मोर्चा है, समस्याओं से पार पाने के लिए मिशन मोड पर काम करना। केंद्र सरकार द्वारा बच्चों के संपूर्ण वेक्सिनेशन के लिए प्रारंभ की गई मिशन इंद्रधनुष योजना, आयुष्मान भारत योजना और प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र जैसी योजनाओं का विस्तार प्रदेश के दूर-दराज के इलाकों तक करने का प्रयास किया गया है। आज पूरे विश्व में भारत के हेल्थ सेक्टर की प्रतिष्ठा और भारत के हेल्थ सेक्टर के प्रति भरोसा, एक नए स्तर पर पहुंच गया है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व वाली सरकार स्वास्थ्य समस्याओं को टुकड़ों के बजाय समग्र रूप से देखती है, इसलिए हमने भी प्रदेश में सिर्फ इलाज ही नहीं बल्कि वेलनेस पर भी फोकस करना शुरु किया है। इसका ही परिणाम रहा कि कोरोना काल में आयुष से जुड़े हमारे नेटवर्क ने बेहतरीन काम किया। ह्यूमन रिसर्च से लेकर इम्यूनिटी और साइंटिफिक रिसर्च तक हमारे आयुष नेटवर्क का इंफ्रास्ट्रक्चर देश के बहुत काम आया।

प्रदेश में योग, आयुर्वेद एवंज ड़ी-बूटी कृषिकरण को दिया जा रहा है बढ़ावा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की दवाओं और वैक्सीन के साथ-साथ हमारे मसालों और हमारे काढ़े का भी वेलनेस के क्षेत्र में कितना बड़ा योगदान है, ये दुनिया ने कोरोना काल में अनुभव किया। योग,प्राणायाम,आयुर्वेद सहित भारत के जड़ी बूटी ज्ञान ने विश्व को चमत्कृत किया। इसलिए राज्य सरकार ने प्रदेश में योग व आयुर्वेद को बढ़ावा देने के साथ - साथ "मेडिसनल प्लांट" की खेती पर भी ध्यान दिया है। हमारे देश में दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना 'आयुष्मान भारत' चलाई जा रही है। राज्य सरकार ने प्रदेश में स्वास्थ के क्षेत्र में "निःशुल्क जांच योजना" जैसी एक प्रमुख योजना भी प्रारम्भ की है, जिसके तहत मरीजों को 207 प्रकार की पैथेलॉजिकल जांचों की निशुल्क सुविधा मिल रही है। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में "किफायती स्वास्थ्य सेवा" पर ध्यान केंद्रित करने से वंचित तथा मध्यम वर्ग को काफी लाभ होता है।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में पिछले 5 सालों में जितने काम हो सकते थे उनको धरातल पर उतारने का काम किया गया है। आगे भी हम उत्तराखंड में स्वास्थ्य के क्षेत्र में और अच्छा क्या हो सकता है, इसके लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार से राज्य को 01 लाख 24 हजार लोगों से ब्लड डोनेशन कराने का लक्ष्य दिया गया था। राज्य में एक लाख 01 लाख 67 हजार लोगों ने ब्लड डोनेशन किया है। उत्तराखंड भारत का पहला राज्य है जिसने सबसे ज्यादा ब्लड डोनेशन किया है और ई रक्तकोश में 80 हजार लोग अभी तक रजिस्ट्रेशन कर चुके हैं। देश में आयुष्मान भारत योजना लॉन्च हुई तो हमारे राज्य में अटल आयुष्मान योजना लॉन्च की गई। राज्य में अभी तक 50 लाख 24 हजार अटल आयुषमन कार्ड बनाये जा चुके हैं। 07 लाख से ज्यादा लोगों का इस योजना के तहत ईलाज हो चुका है, जिसमें 13 सौ करोड़ से अधिक खर्चा हो चुका है। अब राज्य में किडनी ट्रांसप्लांट भी आयुष्मान कार्ड में कवर कर दिया है। प्रदेश में 91 प्रतिशत संस्थागत डिलीवरी हो रही है। प्रदेश में सरकार ने ईजा बोई योजना शुरू की है। जिसमें गर्भवती महिलाओं को 2000 रूपये पौष्टिक आहार के लिए दिया जाएगा। राज्य में 32 लाख लोगों की आभा आईडी बनकर तैयार हो चुकी है।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री गणेश जोशी, सांसद श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाह, राज्यसभा सांसद श्री नरेश बंसल, विधायक श्री खजान दास, श्री विनोद चमोली, श्री प्रदीप बत्रा, श्रीमती सरिता आर्य, श्रीमती रेनू बिष्ट, मेयर श्री सुनील उनियाल गामा, संयुक्त सचिव स्वास्थ्य, भारत सरकार श्री विशाल चौहान, सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर. राजेश कुमार एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।